*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

दैनिक डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 8 अंक : 286 | इंदौर, बुधवार 26 अप्रैल, 2023 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

Headline

1. प्रकाश सिंह बादल का निधन, पीएम मोदी, राहुल गांधी, भगवंत मान, सीएम योगी और अखिलेश यादव ने जताया दुख
2. भाजपा का आरोप: 'शीश महल' में रहते हैं केजरीवाल, आवास के सौंदर्यीकरण पर खर्च किए 45 करोड़, मांगा इस्तीफा
3. SC: अतीक-अशरफ हत्या मामले में यूपी सरकार भी पहुंची सुप्रीम कोर्ट, जांच की मांग के मुद्दे पर दायर की कैविएट
4. Jagannath Temple: भारतीय मूल के इस अरबपति ने दान किए 250 करोड़ रुपये, ब्रिटेन में बनेगा पहला जगन्नाथ मंदिर
5. COVID-19: भारत में फिर बढ़े मामले, कल के मुकाबले आज केसों में 44 फीसदी का इजाफा, सक्रिय मरीज 61 हजार के करीब
6. Gwalior: दंपती ने की आत्महत्या, मां-बाप के शव के पास बैठ डेढ़ साल का बच्चा दो दिनों तक भूखा प्यासा बिलखता रहा
7. PM Modi: पीएम ने 'सौराष्ट्र-तमिल संगमप्रशस्ति' पुस्तक का किया विमोचन, कहा- भारत विविधता का उत्सव मनाने वाला देश

चुनावी साल में लुभा रही सरकार

किसानों को प्रति हेक्टेयर 500 से 2000 बढ़ेगा फसल मुआवजा

लाइनमैन को 1000 जोखिम भत्ता

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। चुनावी साल में सरकार के द्वारा सभी वर्ग का ध्यान रखा जा रहा है। इसमें सबसे ज्यादा फोकस व्यापारी और किसानों पर किया जा रहा है। दरअसल अब ओलावृष्टि या बारिश से फसलों को नुकसान पहुंचता है तो किसानों को प्रति हेक्टेयर 500 से 2000 रुपए ज्यादा मिलेंगे। इसके साथ ही आउटसोर्स के तहत बिजली का काम कर रहे लाइनमैनों को भी 1000 रुपए जोखिम भत्ता मिलेगा।मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में इन प्रस्तावों को मंजूरी मिली। बढ़ा फसल मुआवजा 1 मार्च 2023 से लागू होगा। छोटे (2 हेक्टेयर तक) और बड़े किसानों (2 हेक्टेयर से अधिक) की अलग -अलग कैटेगरी बनाई गई हैं। वर्षा आधारित, सिंचित और बारामाही फसलों में मुआवजा बढ़ाया गया है।

- नुकसान प्रति हेक्टेयर (0 से 2 हेक्टेयर तक के किसान)
- 25 से 33 प्रतिशत नुकसान- वर्षा वाली सिंचित बारामाही
- 5,500 9,500 9,500 (छह माह से कम अवधि में खराब)
- 16,000 (छह माह से अधिक अवधि में खराब)
- (19,000 रुपए सब्जी, मसाले तथा ईसबगोल की खेती के लिए)
- 33 से 50 प्रतिशत नुकसान- वर्षा वाली सिंचित बारामाही
- 8,500 16,000 19,000 (छह माह से कम अवधि में खराब)
- 21,000 (छह माह से अधिक अवधि में खराब)
- (सब्जी, मसाले और ईसबगोल की खेती वालों के लिए 27,000 रुपए) सैरीकल्चर के लिए 6,500 रुपए और मूंग के लिए 8,000 रुपए।)

● बारिश-ओलों से 30 हजार हेक्टेयर से अधिक फसल खराब

इस बार मार्च महीने में प्रदेश के ज्यादातर जिलों में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि हुई। इनकी वजह से इस साल अब तक 20 से ज्यादा जिलों में किसानों की 30 हजार हेक्टेयर से अधिक फसल खराब हो चुकी है। लगभग 38 हजार किसान पॉलिया इससे प्रभावित हुए। सबसे अधिक नुकसान रबी की फसल को हुआ है।

● 45 नई दीनदयाल रसोई को मंजूरी

दूसरे चरण में 26 फरवरी 2021 में चली 100 दीनदयाल रसोई केंद्रों के अतिरिक्त 20 निकायों में 20 नए और 16 नगर निगमों के साथ पीथमपुर व मंडीदीप में कुल 25 नए चलित दीनदयाल रसोई केंद्र खुलेंगे। इन केंद्रों में 10 रुपए में भोजन दिया जाता है। अब तक एक करोड़ 62 लाख थालियों का वितरण किया जा चुका है।

व्यापारियों की भी सुन रही सरकार

ट्रेड लाइसेंस पूर्व की भांति ही लागू रहेगा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। व्यापारियों के बढ़ते विरोध के बाद अंततः राज्य सरकार ने मध्य प्रदेश नगर पालिका व्यापार अनुज्ञापन नियम 2023 को मंगलवार को स्थगित कर दिया है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने 21 अप्रैल को इस नियम की अधिसूचना जारी की थी। पांचवें दिन ही इसे स्थगित करना पड़ा। हालांकि इन नियमों के लागू होने के पहले जिन नगरीय निकायों द्वारा मध्य प्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 अथवा मध्य प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1961 के प्रविधानों के अनुसार निकाय स्तर पर व्यापार विनियमन के लिए व्यापार अनुज्ञप्ति (ट्रेड लाइसेंस) जारी करने के लिए शुल्क निर्धारित करके नियम लागू किए गए हैं, वह पूर्ववत् लागू रहेंगे। उल्लेखनीय है कि नवीन नियमों के प्रकाशित होने के बाद विभिन्न नगरों संबद्ध व्यवसायियों, व्यापार समूहों एवं निकायों के स्थानीय जन-प्रतिनिधियों द्वारा नियमों में विसंगतियों की ओर ध्यान आकृष्ट किया गया था। साथ ही इसका जमकर विरोध भी किया जा रहा था। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने बताया है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देश के बाद इस नियम के क्रियान्वयन को तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया गया है।

● शुरू हो गया था विरोध

नगरीय विकास और आवास विभाग ने मध्य नगरपालिका व्यापार अनुज्ञापन नियम में संशोधन कर प्रदेश के किसी भी शहर कस्बे में व्यापार करने पर नया टैक्स लागू कर दिया था। सभी नगर पालिक निगम, नगरपालिक परिषद और नगर परिषद व्यापारियों से उनके व्यवसाय स्थल यानी दुकान के क्षेत्रफल के हिसाब से कर वसूलने की व्यवस्था थी। यह नया कर संपत्तिकर, विज्ञापन कर और पहले से लागू अन्य शुल्कों के अतिरिक्त था। नियम को सड़क की चौड़ाई के अनुपात में प्रति वर्गमीटर चार से छह रुपये, नगरपालिक परिषद को तीन से पांच रुपये और नगर परिषद को दो से चार रुपये प्रति वर्ग फीट टैक्स सालाना वसूलने के अधिकार दे दिए थे। हालांकि नगर निगम के लिए अधिकतम सीमा 50 हजार रुपये, नगर पालिका परिषद के लिए 25 हजार और नगर परिषद के लिए 15 हजार रुपये तक की गई थी। इतना ही नहीं वाहनों से व्यापार करने वालों पर भी टैक्स लगा दिया गया था। नए टैक्स की अधिसूचना होते ही व्यापारियों ने नाराजगी जताते हुए इसे गलत बताया था।

पातालपानी से चलेगी हेरिटेज ट्रेन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

महू। 27 दिसंबर 2022 को पश्चिम रेलवे जीएम अशोक मिश्र ने महू रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया था। जिसके बाद रेलवे ने तय किया है कि हेरिटेज ट्रेन का संचालन पातालपानी स्टेशन से किया जाएगा। इसके साथ मीटरगेज कोच और पॉवर का मेंटनेंस भी पातालपानी स्टेशन पर ही होगा। इसके बाद 12 जनवरी को रतलाम मंडल के ट्रैफिक इंस्पेक्टर, एसएसईए सीएडब्ल्यू सीसीई पॉवर, आइओडब्ल्यू एसएसई टेलीकॉम विभाग के अफसरों ने पातालपानी स्टेशन का निरीक्षण किया था। वर्तमान में मीटरगेज की चार लाइन हैं। जिसमें पहली लाइन पर ट्रेन संचालन किया जाता है। दूसरी लाइन पर गुड्स रैक रखा है। निरीक्षण के बाद तीसरी और चौथी लाइन पर पिटलाइन और डिपो बनाने पर सहमति बनी थी। इन्ही दो लाइन पर मीटरगेज ट्रेन और पॉवर का मेंटनेंस किया जाएगा।

सप्ताहभर में काम होगा शुरू

रेल अफसरों के अनुसार, इसी सप्ताह लाइन.4 को डिस्मेंटल किया जाएगा। इसके बाद मीटरगेज के रैक के लिहाज से पिट लाइन का निर्माण शुरू होगा। यह काम जून माह में पूरा कर लिया जाएगा। इस काम के टेंडर भी हो चुके हैं। बता दे कि पातालपानी स्टेशन पर चार लोको सहित 12 कोच को खड़ा किया गया है, जिसमें विस्टाडोम के दो कोच भी शामिल हैं।

पर्यटकों के लिए सुविधाएं भी जुटाना होगी

पातालपानी स्टेशन पहुंचने के लिए वर्तमान में जो मार्ग हैं। वह पर्यटकों के लिहाज से ठीक नहीं है। ऐसे में हेरिटेज ट्रेन का संचालन पातालपानी से किया जाता है तोए पर्यटक किस तरह से स्टेशन तक पहुंचेंगे। अब तक पर्यटक अपने वाहनों और इंदौर से डेमू ट्रेन से महू पहुंचते थे। लेकिन अब पर्यटकों को अपने वाहनों से ही पातालपानी स्टेशन तक जाना है। रास्ता भी पक्का नहीं बना हुआ है। बारिश के दौरान यहां नाले भी उफान पर रहता है। इसके अलावा स्टेशन पर खानपान और पेयजल की सुविधा भी जुटाना होगी।

तीन सदस्यीय समिति ने शुरू की डेमू ट्रेन में आग की जांच, तीन दिन में देनी है रिपोर्ट

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। रतलाम से चलकर इंदौर आने वाली डेमू ट्रेन में आग की घटना की जांच रेलवे ने शुरू कर दी है। इसके लिए तीन सदस्यीय टीम का गठन किया गया है। सीनियर सीएम हेड क्वार्टर के नेतृत्व में टीम बनाई गई है। इसमें सीनियर डीएमई और सीनियर डीएसओ को शामिल किया गया हैं। डेमू ट्रेन में आग की जांच रिपोर्ट तीन दिन में हेड क्वार्टर को सौंपनी होगी।

दरअसल, 23 अप्रैल को सुबह 7.19 बजे रतलाम- डॉ. आंबेडकर नगर डेमू ट्रेन (09390) के जनरेटर कार में आग लग गई थी। हादसा रतलाम मंडल के नौगांवा-रुनिजा सेक्शन के प्रीतम नगर फ्लैग स्टेशन पर हुआ था। हादसे के बाद एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन व एक्सीडेंट रिलीफ मेडिकल इक्विपमेंट ट्रेन भेजी गई थी। रेलवे ने ट्रेन नं. 09348 रतलाम - डॉ आंबेडकर नगर डेमू ट्रेन से सभी यात्रियों को नौगावां रेलवे स्टेशन से डॉ. आबेडकर नगर महू रेलवे स्टेशन के लिए पहुंचाया था। घटना के दौरान मौके पर मंडल रेल प्रबंधक रजनीश कुमार सहित अन्य मंडल अधिकारी पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया था।

जांच के बाद किया रवाना

हादसे के बाद प्रारंभिक कारणों का पता लगाए जाने के लिए अधिकारियों ने मोके पर ही ट्रेन का सूक्ष्मता से परीक्षण भी किया था। इसके बाद दोपहर 2.25 बजे महू के लिए ट्रेन को रवाना किया गया। इस ट्रेन का मेंटेनंस महू में होता है। हादसे की जांच समिति रेलवे हेडक्वार्टर को सौंपेगी।

कैब बुक करने में लगी 70 हजार की चपत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। उज्जैन के महाकाल लोक जाने के लिए महाराष्ट्र से आए व्यक्ति ने विमानतल से बाहर आकर इंटरनेट पर कैब सर्विस देख बुकिंग कर दी। कैब की वेबसाइट पर भुगतान के लिए यूपीआइ कोड डाला। कैब तो नहीं आई, लेकिन खाते से पैसा निकल गया। बाद में पता चला कि वेबसाइट फर्जी है।

महाराष्ट्र के व्यक्ति ने क्राइम ब्रांच में शिकायत की है। उन्होंने इंटरनेट पर महादेव कैब व ट्रैवल्स के नाम से वेबसाइट सर्च करने के बाद उज्जैन जाने के लिए गाड़ी की बुक की थी। अन्य कंपनी यात्रा के बाद भुगतान लेती है, लेकिन इस वेबसाइट के पेज पर अपनी जानकारी लोड करने के साथ ही यूपीआइ दर्ज कर भुगतान कर दिया था। ठगोरों ने यूपीआई का दुरुपयोग कर 70 हजार उड़ा लिए।

क्राइम ब्रांच डीसीपी निमिष अग्रवाल के मुताबिक, महादेव कैब व ट्रैवल्स के नाम ठगी की शिकायत मिली, जांच करने पर साफ हुआ कि यह फर्जी वेबसाइट थी। इस तरह की वेबसाइट को बंद कराया जा रहा है। ऐसे ही शहर के बाहर से आए व्यक्ति ने राधे राधे ट्रैवल्स की वेबसाइट पर जाकर घूमने के लिए गाड़ी बुक की। वेबसाइट के पेज पर यूपीआइ दे दिया था जिसके आधार पर ठगी हो गई। डीसीपी निमिष अग्रवाल के मुताबिक, अलग-अलग कैब, ट्रैवल्स के नाम की वेबसाइट, ऐप के जरिए बाहर से आने वाले लोगों के नाम से ठगी हो रही है। धोखेबाजों ने सभी नामी बड़े बैंकों के नाम से ही फर्जी पेज बना लिए हैं। लोग बैंक की वेबसाइट समझकर झांसे में आ रहे है।

कांग्रेस ने बीएलओ नियुक्ति में गड़बड़ी के लगाए चुनाव आयोग पर आरोप

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। आप चुनावों में वोट डाल पाएंगे या नहीं, ये मतदाता सूची से तय होता है। और मतदाता सूची तैयार करने का काम बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) का होता है। लेकिन इंदौर में बूथ लेवल अधिकारी बनाने में सारे नियमों को ताक में रख दिया गया है। ये आरोप लगाए हैं, कांग्रेस ने। कांग्रेस ने इसके लिए मुख्य निर्वाचन आयुक्त, राज्य निर्वाचन आयुक्त सहित इंदौर जिला निर्वाचन अधिकारी सहित 5 लोगों को कानूनी नोटिस भी जारी किया है।

कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता संतोष गौतम, इंदौर के मतदाता सूची प्रभारी दिलीप कौशल, रवि गुरनानी ने मंगलवार को प्रेस कांफ्रेंस में ये आरोप लगाए। कांग्रेस नेताओं का आरोप था कि 2012 में बीएलओ की नियुक्ति के लिए नियम बनाए गए थे। इनके तहत 15 तरह के सरकारी कर्मचारी ही बीएलओ बनाए जा सकते हैं। लेकिन इंदौर में 302 बूथ लेवल ऑफिसर ऐसे हैं जो नियमों के हिसाब से पात्र ही नहीं है। इंदौर में तबला वादक, चपरासी, आइलमैन, ड्राइवर, मस्टर कर्मचारी, समयपाल, पंपचालक, मैकेनिक, प्लम्बर, वनरक्षक, वनपाल को बीएलओ बना दिया गया है। कांग्रेस नेताओं के मुताबिक विधानसभा 5 जहां बीते विधानसभा चुनावों में कांग्रेस 1100 वोटों से हारी थी वहां पर इस साल की मतदाता सूची में 5857 मतदाताओं के नाम जोड़े गए हैं, जबकि 27819 मतदाताओं के नाम बगैर विधिक प्रक्रिया के काट दिए गए। इसी तरह से विधानसभा 3 में 1701 नए नाम जोड़ दिए गए, जबकि 8077 नाम काट दिए गए।

बीते साल ही 1 लाख 35 हजार 836 मतदाताओं के नाम काटे गए। जिससे साफ है कि इन फर्जी बीएलओ के जरिए निर्वाचन आयोग भी सत्ताधारी पार्टी की मदद कर रहा है। कांग्रेस नेताओं के मुताबिक उन्होंने इस संवैधानिक गड़बड़ी को लेकर अभिभाषक जयेश गुरनानी के माध्यम से एक कानूनी नोटिस निर्वाचन आयोग को जारी किया है। जिसमें 7 दिनों में इन सभी को हटाने के लिए कहा गया है, यदि इन्हें नहीं हटाया गया तो फिर कांग्रेस निर्वाचन आयोग के खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर करेगी।

निगम चुनावों में गायब हो गए थे कई मतदाता

गौरतलब है कि जुलाई 2022 में हुए नगर निगम के चुनावों में इंदौर के कई प्रमुख लोगों के साथ ही लगभग 10 फीसदी वोटर वोट नहीं डाल पाए थे। उनका नाम मतदाता सूची में नहीं था। उस समय भी मतदाता सूची को लेकर सवाल खड़े हुए थे।

डोर टू डोर सर्वे से जुड़ेंगे मतदाता सूची में सरनेम

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। भारत निर्वाचन आयोग पहली बार मतदाता सूची में मतदाताओं के नाम के साथ सरनेम भी जोडऩे का अभियान शुरू कर रहा है। यह अभियान पूरे एक महीने चलेगा। इस दौरान बीएलओ घर-घर जाकर सरनेम जोड़ने का काम करेंगे। आयोग ने यह कदम डुप्लीकेट नामों की पहचान किए जाने के लिए उठाया है।

जिले की मतदाता सूची में नौ विधानसभाओं में 25,99,445 मतदाता है। इनमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 13,23,813 और महिला मतदाताओं की संख्या 12,75,543 है। इन मतदाताओं में जिन मतदाताओं के नाम के आगे सरनेम नहीं होगा, उन्हें जोड़ा जाएगा। इसके लिए बीएलओ को बकायदा प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। आयोग का मानना है कि सरनेम से एक जैसे मतदाताओं के नाम पहचानने में आसानी होगी। सॉफ्टवेयर भी आसानी से इन नामों की पहचान कर पाएगा। डुप्लीकेट या एक से अधिक जगह सूची में नाम जुड़े होने की जानकारी सामने आ जाएगी। अभी सॉफ्टवेयर एक जैसे नाम की पहचान तो कर लेता है, लेकिन सरनेम नहीं होने से कई बार दिक्कतें भी होती हैं। गलत नाम सूची से नहीं हटे इसी के लिए सारी कवायद की जा रही हैं।

16 मई तक चलेगा अभियान

-जानकारी के अनुसार यह अभियान इंदौर जिले में 16 मई तक चलेगा। इस दौरान बीएलओ मतदाता सूची लेकर डोर टू डोर जाएंगे। जहां मतदाताओं से उनके नाम के आगे सरनेम जोड़े जाने की कार्रवाई आयोग के निर्देशानुसार पूरी करेंगे।

कार्ड का कई जगह हो सकेगा

उपयोग सरनेम जुड़ा होने से यह कार्ड बहु उपयोगी हो जाएगा। अभी कार्ड में केवल नाम और पिता का नाम होता था। सरनेम (जाति नहीं) नहीं होने से इसका कई जगह, खासकर सरकारी दस्तावेज में उपयोग भी नहीं हो पाता था। सरनेम होने पर पासपोर्ट जैसे दस्तावेज में भी उपयोगी हो सकेगा।

सीयूईटी पीजी की प्रवेश परीक्षा 5 जून से

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने कामन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) पीजी कोर्स में प्रवेश परीक्षा की तारीख घोषित कर दी है। 5 जून से देशभर में परीक्षा करवाई जाएगी। आठ दिन चलने वाली परीक्षा का शेड्यूल जारी कर दिया है। एनटीए परीक्षा के लिए 500 से अधिक शहरों में केंद्र बनाएगा, जहां 1100 सेंटर पर कंप्यूटर बेस्ड आधारित परीक्षा होगी। अधिकारियों के मुताबिक, 25 मई के बाद विद्यार्थियों को एडमिट कार्ड देंगे। एनटीए की वेबसाइट से इन्हें डाउनलोड किया जा सकेगा।

पांच सौ से अधिक शहरों में होगी, शेड्यूल जारी

सीयूईटी में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय से संचालित होने वाले 16 पाठ्यक्रम हैं। इनकी एक हजार से अधिक सीटें हैं। एनटीए के मुताबिक, सीयूईटी पीजी के लिए पांच-छह लाख विद्यार्थियों ने देशभर से आवेदन किया है। इनके लिए 5 से 12 जून परीक्षा होगी। विद्यार्थियों को परीक्षा स्लाट मई में आवंटित किया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन के मुताबिक, सीयूईटी की तारीख आने के बाद स्नातक अंतिम वर्ष का रिजल्ट जल्द जारी किया जाएगा, जिसमें बीए, बीकाम और बीएससी सहित अन्य पाठ्यक्रम शामिल है। रिजल्ट के लिए मूल्यांकन केंद्र को 15 मई तक का समय दिया है, ताकि विद्यार्थियों को सीयूईटी के अंतर्गत पीजी की प्रवेश परीक्षा देने में आसानी होगी।

यूजी की तारीख आना बाकी

सीयूईटी के माध्यम से यूजी पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा, मगर एनटीए ने यूजी की प्रवेश परीक्षा की तारीख घोषित नहीं की है। एजेंसी के मुताबिक, वे स्टेट बोर्ड और सीबीएसई के 12वीं के रिजल्ट आने के बाद परीक्षा रखी जाएगी। संभवतः यूजी की परीक्षा भी जून के तीसरे सप्ताह में होगी।

सावधान! आप भी तो नहीं बन रहे

फर्जी मैट्रिमोनियल वेबसाइट्स का शिकार

मध्य प्रदेश साइबर पुलिस ने कुंवारे युवकों को शादी का झांसा देकर लाखों

ऐसे चलता है ठगी का धंधा

जीवन भर का फैसला कहीं
जीवन भर की चूक न बन जायें,

डिटेक्टिव से
तहकीकात ज़रूर करवाए

DETECTIVE GROUP
Detecting the truth

आज ही अपनी जानकारी सबमिट करे
www.detectivegroup.in
Whatsapp us on +91-91110 50101

दीनदयाल अंत्योदय रसोई योजना में नए 25 चलित और 20 स्थायी रसोई केन्द्र बनेंगे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई केबिनेट में आज दीनदयाल अंत्योदय रसोई योजना में तृतीय चरण को मंजूरी दी गयी है। तृतीय चरण में 25 चलित रसोई केन्द्र और 20 नये स्थायी रसोई केन्द्र बनेंगे।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह ने जानकारी दी हैकि 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले 4 नगरीय निकायों में 11 चलित रसोई केन्द्र और शेष 12 नगर पालिक निगमों एवं पीथमपुर तथा मंडीदीप में एक-एक नवीन चलित रसोई केन्द्र शुरू किये जायेंगे। नगरपालिक निगम भोपाल में 4, इंदौर में 3, ग्वालियर और जबलपुर में 2-2, बुरहानपुर, छिंदवाड़ा, देवास, कटनी, खंडवा, मुरैना, रतलाम, रीवा, सागर, सिंगरौली एवं उज्जैन में एक-एक तथा नगरपालिका परिषद पीथमपुर और मंडीदीप में एक-एक चलित रसोई केन्द्र शुरू होंगे।

नवीन रसोई केन्द्र

बीस हजार से 50 हजार जनसंख्या वाले नगरीय निकाय मंडीदीप, आष्टा, गंजबासौदा, सिरोंज, गोहद, राघौगढ़, डबरा, सारणी, इटारसी, सेंधवा, पीथमपुर, गाड़रवाड़ा, बीना, खुरई, मकरोनिया, बुजुर्ग, जावरा, शुजालपुर, नागदा, मालथौन और बुधनी में एक-एक नवीन रसोई केन्द्र की स्थापना की जायेगी। उल्लेखनीय है कि जरूरतमंदों को किफायती दर पर पौष्ठिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए प्रथम चरण में प्रदेश के 51 जिला मुख्यालयों के 56 केन्द्रों में दीनदयाल अन्त्योदय रसोई योजना (प्रथम चरण) प्रारंभ की गई। द्वितीय चरण में 52 जिला मुख्यालयों में 94 एवं 6 धार्मिक नगरियों (मैहर, चित्रकूट ओंकारेश्वर, महेश्वर ओरछा एवं अमरकंटक) के कुल 100 रसोई केन्द्रों में विस्तार किया गया। मंत्री श्री सिंह ने कहा है कि दीनदयाल अन्त्योदय रसोई में केवल स्थाई केन्द्र संचालित होने से कई ऐसे जरूरतमंद लोग जो स्थाई केन्द्र तक नहीं पहुँच पाते, इस योजना के लाभ से वंचित रह जाते हैं। तैयार भोजन चलित रसोई केन्द्र में लेकर हितग्राहियों को वितरित किया जा सकेगा। दीनदयाल रसोई में रियायती दर पर जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराया जाता है। थाली में 160 ग्राम गेहूँ की रोटी (लगभग 5) सब्जी, दाल, चावल रहता है।

इकबाल सिंह बैंस को फिर मिल सकती है सेवावृद्धि

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस को एक बार फिर छह माह की सेवा वृद्धि मिल सकती है। उन्हें छह माह की सेवा वृद्धि की दिसंबर 2022 में दी गई थी, जिसकी अवधि 31 मई को समाप्त होगी।इसके पहले सामान्य प्रशासन विभाग मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के अनुमोदन से केंद्र सरकार को सेवा वृद्धि का प्रस्ताव भेजने की तैयारी में है।

यदि इसे अनुमति मिल जाती है तो वे ही विधानसभा के चुनाव कराएंगे। चुनाव नवंबर में प्रस्तावित हैं और उसी माह उनकी सेवा वृद्धि की अवधि भी पूरी होगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव के पहले मुख्य सचिव बसंत प्रताप सिंह को भी सेवा वृद्धि दी गई थी। मंत्रालय सूत्रों का कहना है कि जिस तरह से सरकार की योजनाओं को मुख्य सचिव क्रियान्वित करा रहे हैं, उससे उन्हें छह माह की सेवा वृद्धि दिए जाने की पूरी संभावना है। मुख्यमंत्री के साथ उनका तालमेल अच्छा है। हाल ही में जब कुछ कलेक्टरों के स्थानांतरण किए गए तो उसमें मुख्य सचिव की पंसद को महत्व दिया गया। इसी तरह मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के क्रियान्वयन, बजट आवंटन के बाद विभागीय गतिविधियों की निगरानी वे ही कर रहे हैं। चुनाव को ध्यान में रखते हुए प्रशासनिक स्तर पर मैदानी जमावट भी की जानी है। इसकी तैयारी भी प्रारंभ हो गई है।उनके बैच 1985 के सभी अधिकारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं। बैंस को सेवा वृद्धि दिए जाने से पहले केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ 1989 बैच के अधिकारी अनुराग जैन को मुख्य सचिव पद का प्रबल दावेदार माना जा रहा था पर केंद्र सरकार उन्हें छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। अब उन्हें केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय में सचिव बनाया गया है और चुनावी वर्ष में सरकार कोई प्रयोग भी नहीं करना चाहती है। यही कारण है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मुख्य सचिव को छह माह की सेवा वृद्धि और दिलवा सकते हैं।

पत्नी ने प्रेमिका से करवा दी पति की शादी...

अब तीनों साथ जी रहे हैप्पी 'मैरिड लाइफ'

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

गुना। जिले से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसे सुनकर आप हैरान रह जाएंगे। एक शादीशुदा व्यक्ति को 18 साल की युवती से प्यार हो गया। दोनों को छिप-छिपकर एक-दूसरे से मिलते थे। पत्नी को रहते हुए युवक उस युवती से शादी की तैयारी में जुटा था। वहीं, इस मामले में सबसे बड़ी बात यह है कि युवक की पत्नी भी इसमें साथ दे रही थी। प्रेमिका इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती हुई और वहां से भागकर प्रेमी से शादी कर ली।

गुना जिले के बजरंगगढ़ इलाके स्थित टहनी की रहने वाली एक युवती को इलाज के लिए तीन अप्रैल को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में युवती के परिजन भी थे। युवती 18 साल की थी। छह अप्रैल को युवती अचानक अस्पताल से गायब हो जाती है। इसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। युवती के बारे में घर के लोगों को कोई जानकारी नहीं मिली।इसके बाद युवती की मां ने सात अप्रैल को कोतवाली थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। इसके बाद पुलिस ने लड़की की तलाश शुरू की। इस दौरान अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरे का फुटेज भी देखा गया। साथ ही उसके कॉल डिटेल की जांच भी की गई। इस दौरान पुलिस को युवती के बारे में जानकारी मिली। जांच के दौरान पता चला कि युवती अशोकनगर जिले के शाढोरा इलाके में रह रही थी। इसके बाद पुलिस की टीम वहां पहुंची और युवती को लेकर कोतवाली थाना पहुंची। साथ ही युवती के परिवारवालों को खबर दी गई। युवती ने पुलिस के सामने कबूल किया कि उसने अपने प्रेमी से शादी कर ली है। वहीं, पुलिस ने थाने में जब युवती से पूछताछ शुरू की तो उसने परिवार के साथ जाने से मना कर दिया। उसने कहा कि वह प्रेमी के साथ ही रहना चाहती है। साथ ही प्रेमी के साथ खुश भी है। हालांकि युवक पहले से ही शादीशुदा है। पुलिस ने भी लड़की पर कोई दबाव नहीं बनाया क्योंकि वह बालिग है। अपने बारे में निर्णय खुद ले सकती है। युवती का प्रेमी पहले से शादीशुदा है। उसकी पत्नी ने प्रेमिका को स्वीकार कर लिया है। शादी के दौरान उसकी पत्नी भी मौजूद रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार युवक को पहली पत्नी से कोई बच्चा नहीं है। शादी के बाद तीनों खुशी-खुशी एक साथ रह रहे हैं। वहीं, गुना जिले में इस शादी की चर्चा खूब है।

'आतंकवाद पर डीके शिवकुमार और दिग्विजय सिंह एक जैसे'... : वीडी शर्मा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा चुनाव प्रचार के लिए बेंगलुरु गए हैं। उन्होंने कांग्रेस पर जमकर हमला किया है। वीडी शर्मा ने कर्नाटक कांग्रेस के नेता डीके शिवकुमार और दिग्विजय सिंह पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद का समर्थन करना, पीएफआई जिस पर प्रतिबंध लगा है। कांग्रेस के नेता डीके शिवकुमार का यह कहना है कि हम उन्हें वापस लेकर आएंगे। यह प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर आतंकवाद का समर्थन करना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस फिर तुष्टीकरण की नीति पर वोट बैंक के लिए धार्मिक आधार पर आरक्षण देने की बात करती है। वीडी शर्मा ने कहा कि कांग्रेस केवल यही तक सीमित रह गई है। इसका परिणाम यह है कि पूरे भारत के अंदर आज कांग्रेस आतंकवाद और आतंकवाद का समर्थन करने वाले लोगों के साथ खड़ी है। चाहे वह राहुल गांधी हो या यहां के नेता डीके शिवकुमार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के अंदर दिग्विजय सिंह जैसे लोग इन्हीं आतंकवादियों का समर्थन करते हैं। बीजेपी ने मध्य प्रदेश के अंदर सिमी का नेटवर्क नेस्तानाबूद कर दिया। पीएफआई खत्म हो रही है।

एमपी बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि देश के अंदर आतंकवाद खत्म हो रहा है। पीएम मोदी का नेतृत्व है। मोदी जी के नेतृत्व में देश सुरक्षित होकर आतंकवाद समाप्त हो चुका है। कांग्रेस इस प्रकार के लोगों को समर्थन करना चाहती है। डबल इंजन की सरकार है। पीएम मोदी के नेतृत्व में नई कार्य संस्कृति विकसित हुई है। गौरतलब है कि एमपी के कई नेता कर्नाटक विधानसभा में चुनाव प्रचार के लिए जा रहे हैं। 26 अप्रैल को सीएम शिवराज सिंह चौहान भी जा रहे हैं।

ओंकारेश्वर में शंकराचार्य जी की प्रतिमा स्थापना अगस्त माह में

मुख्यमंत्री ने मंत्रि-परिषद की बैठक के पूर्व मंत्रीगण को संबोधित किया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंत्रालय सभाकक्ष में मंत्रि-परिषद की बैठक शुरू होने से पहले मंत्रीगण से कहा कि मध्यप्रदेश में सांस्कृतिक पुनर्जागरण के प्रयास किए जा रहे हैं। हमारी समृद्ध परंपराओं, संस्कृति की विशेषताओं और भारतीय दर्शन को नई पीढ़ी तक ले जाने के लिए अनेक प्रयास किए जा रहे हैं।

आदि गुरू शंकराचार्य जी, रामानुजाचार्य जी के साथ ही सूरदास जी का भी प्राकट्य दिवस है। ये अद्भुत संत थे। शंकराचार्य जी ने रामेश्वरम से लेकर बद्रीनाथ तक उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक राष्ट्र को एक करने का कार्य किया। इस भाव से ही ओंकारेश्वर में एकात्म धाम का निर्माण किया जा रहा है। यहाँ आगामी 15 अगस्त तक शंकराचार्य जी की विशाल प्रतिमा भी स्थापित होगी। साथ ही अद्वैत संस्थान का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इसी श्रंखला में सागर में संत रविदास जी के मंदिर का निर्माण हो रहा है। जाम सावली हनुमान धाम, सलकनपुर में देवी लोक, दतिया में माँ पीतांबरा माई लोक, ओरछा में रामराजा लोक का निर्माण किया जा रहा है। संत-महात्माओं के साथ जनजातीय नायकों और क्रांतिकारियों के योगदान का स्मरण करते हुए उन्हें सम्मानित करने के लिए उनकी प्रतिमाओं की स्थापना विभिन्न स्थान पर की जा रही है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सतपुड़ा क्षेत्र में देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले राजा भभूत सिंह का योगदान भी सामने लाया जाएगा। कालगढ़ी का जीर्णोद्धार कार्य भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा सभी वर्गों के विकास के साथ सामाजिक समरसता को बढ़ाने के लिए कार्य किया जा रहा है। चाहे अनुसूचित जाति समाज हो या अनुसूचित जनजाति वर्ग, पिछड़ा वर्ग या सामान्य वर्ग, सभी के कल्याण के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। ब्राह्मण बोर्ड के गठन, संस्कृत पढ़ने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन, मंदिरों की भूमि की सुरक्षा के संबंध में प्रावधान, पुजारियों के लिए मानदेय वृद्धि की पहल भी प्रदेश में हुई है। सभी वर्गों के कल्याण का कार्य किया जा रहा है। संघर्ष नहीं समन्वय के सिद्धांत पर जहाँ पेसा निमय लागू किया गया, वहीं महू और ग्वालियर में अंबेडकर महाकुंभ एवं सागर में रविदास जयंती के आयोजन हुए हैं।

संपादकीय

जोखिम

चारों ओर बंदूकों और बमों के सीधे हमले के बीच मारे जाने या घायल होने वालों से इतर त्रासदी के सदमे और अन्य शारीरिक प्रभावों की जद में आए लोगों के इलाज की सख्त जरूरत है। अगर यह लड़ाई लंबी खिंची तो ज्यादा चिंता इस बात की जताई जा रही है कि आम लोगों के पास भोजन और पानी का संकट खड़ा हो जाएगा और सीधे युद्ध के अलावा अन्य प्रभावों की वजह से भी बड़ी तादाद में लोगों की जान जा सकती है। दरअसल सूडान में जारी गृह युद्ध के बीच हालात जिस कदर बिगड़ते जा रहे हैं, उसमें उसके तुरंत खत्म होने के आसार फिलहाल नहीं नजर आ रहे। इसलिए स्वाभाविक ही सबकी चिंता यह है कि वहां की सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच भीषण संघर्ष की चपेट में आम नागरिक न आएं और दूसरे देशों के नागरिक जिस भी रूप में रह रहे हैं, उन्हें वहां से सुरक्षित निकाला जाए। यों इस टकराव के हिंसक होने के साथ ही भारत ने सावधानी के तौर पर कई दिन पहले से ही अपने नागरिकों के बचाव और उन्हें वहां से सुरक्षित वापस लाने के लिए जरूरी पहल कर दी थी। मगर अब 'आपरेशन कावेरीô के तहत अपने जहाज और विमानों के जरिए वहां फंसे भारतीय नागरिकों को निकालने का अभियान शुरू कर दिया गया है। केंद्र सरकार ने तीन हजार से ज्यादा भारतीयों को सूडान से सुरक्षित निकालने के लिए आकस्मिक योजनाओं की तैयारी के निर्देश दिए हैं। इस बात की जरूरत तुरंत इसलिए भी थी कि सूडान में फिलहाल दोनों पक्षों के बीच टकराव जो शक्ल लेता जा रहा है, उसमें हालात के और बिगड़ने की ही आशंका जताई जा रही है। गौरतलब है कि सूडान में सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच सत्ता पर कब्जे के लिए चल रहे संघर्ष में अभी तक चार सौ से ज्यादा लोगों के मारे जाने की खबर आ चुकी है और लगभग चार हजार लोग घायल हुए हैं। त्रासदी यह है कि इस हिंसा की सबसे बड़ी कीमत बच्चे और महिलाएं चुका रही हैं, जिनकी जिंदगी एक तरह से दांव पर है। खुद वहां की सरकार का कहना है कि कई जगहों पर स्वास्थ्य सुविधाओं ने काम करना बंद कर दिया है और बाकी के बंद होने का खतरा है। जाहिर है, अव्वल तो सीधे संघर्ष में जान गंवाने वाले आम लोगों के अलावा अगर कोई घायल हो गया तो उसके सामने भी खुद को जिंदा बचा पाने की चुनौती खड़ी हो गई है।

ज्ञान-विज्ञान

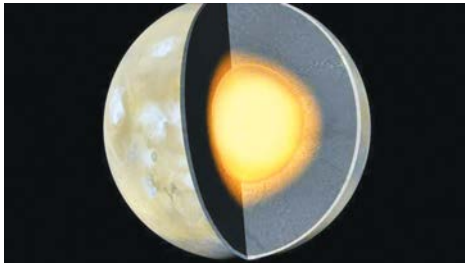

मंगल के केंद्र में क्या है? वैज्ञानिकों ने लगाया पता...

● अब जान पाएंगे पृथ्वी और लाल ग्रह में अंतर

मंगल ग्रह (Mars) पर गड़गड़ाते भूकंप देखे जाते हैं. जिससे वैज्ञानिकों ने यह पता लगाने का फैसला किया कि मंगल का दिल, यानी कोर (Core) आखिर किस चीज से बना हैं. हाल ही में किए गए एक शोध से वैज्ञानिकों ने पता लगा लिया हैं कि मंगर के कोर में क्या हैं.

नासा (Nasa) के इनसाइट लैंडर (InSight lander) ने चार साल तक लाल ग्रह के अंदरूनी हिस्सों को मॉनिटर किया था. इससे मिले सेस्मिक डेटा के मुताबिक, मंगल का केंद्र एक लिक्विड आयरन एलॉय है, जिसमें बड़ी मात्रा में सल्फर और ऑक्सीजन मिला हुआ है.

इस जानकारी से वैज्ञानिक मंगल के इतिहास को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं और यह जान सकते हैं कि यह पृथ्वी से अलग क्यों है, मंगल ग्रह शुष्क, बेजान धूल का गोला है जबति पृथ्वी हरी-भरी.

मैरीलैंड यूनिवर्सिटी के भूविज्ञानी वेदरन लेकिक (Vedran Lekic) का कहना है कि 1906 में, वैज्ञानिकों ने पहली बार पृथ्वी के कोर की खोज की थी. सौ साल से भी ज़्यादा समय के बाद, हम भूकंपीय तरंगों के अपने ज्ञान को मंगल ग्रह पर लागू कर रहे हैं.

मंगल के आंतरिक भाग को मॉनिटर करने के दौरान, इनसाइट ने बहुत ही कम समय में सैकड़ों भूकंपों का पता लगाया, जिससे हमें मंगल ग्रह के अंदर के हिस्से के बारे में जानकारी मिली. इससे, वैज्ञानिक मंगल के कोर के पहले विस्तृत मानचित्र को कंपाइल कर पाए और मंगल की आंतरिक गतिविधि की स्थिति के बारे में ज़्यादा जान पाए.

पृथ्वी के कोर की बात करें, तो इसका बाहरी बाहरी कोर तरल है, इनर कोर ठोस है और फिर एक सबसे अंदर का इनर कोर और भी सघन है. शोधकर्ताओं को पता लगा कि पृथ्वी के कोर से अलग, मंगल का कोर हर तरफ से तरल है. और मंगल के आंतरिक कोर में काफी मात्रा में हल्के तत्व मिले हुए हैं. इसके वजन का लगभग पांचवां हिस्सा इन तत्वों से बना है, खासकर सल्फर और कुछ मात्रा में ऑक्सीजन, कार्बन और हाइड्रोजन.

इसका मतलब है कि कोर पृथ्वी के कोर की तुलना में कम घना और ज़्यादा संकुचित है, जिससे वैज्ञानिक दोनों ग्रहों के बीच के अंतर को बेहतर ढंग से समझ पाएंगे.

हम जानते हैं कि मंगल के पास ग्लोबल मैग्नेटिक फील्ड नहीं है. पृथ्वी पर, चुंबकीय क्षेत्र वातावरण और पानी को अंतरिक्ष में लीक होने से बचाने में मदद करता है. पृथ्वी के कोर में जियोडाइनेमो (geodynamo) प्रभाव उत्पन्न होता है. गर्मी इनर कोर से आउटर कोर तक चलती है, जो करंट पैदा करती है और ग्रह के घूर्णन के प्रभाव में पैटर्न में बदल जाती हैं. इसी से चुंबकीय क्षेत्र बनाता है और बना रहता है.

पिछला शोध में वैज्ञानिकों ने बताया था कि मंगल के कोर में हल्के तत्वों की उपस्थिति ने इसके डायनेमो और चुंबकीय क्षेत्र को खत्म करने में अहम भूमिका निभाई होगी. अब हमारे पास इस बारे में काफी जानकारी है कि वास्तव में वहां क्या है, ताकि वैज्ञानिक मंगल ग्रह के इतिहास को ज़्यादा बेहतर तरीके से रीकंस्ट्रक्ट कर सकें. इस शोध को प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस में प्रकाशित किया गया है.

Highlights

1. India records 9,629 new COVID-19 cases, 40% more than yesterday
2. How does the IPL 2023 points table read at the halfway mark?
3. Kerala Congress MP's posters put on Vande Bharat train, case filed
4. Man threatened to kill UP CM Yogi to frame his girlfriend's father: Police
5. Delhi Public School, Mathura Road gets email threatening bomb attack
6. 2-day national mourning declared over Parkash Singh Badal's death
7. Mockery of justice: IAS body as gangster convicted of officer's murder released
8. Get lumpsum benefits with life insurance: ABSLI Nishchit Aayush

Gandhinagar: India MedTech Expo to coincide with G20 health ministers' meeting in August

NEW DELHI, (Agency). A three-day India MedTech Expo (IMTE-23) will be held in Gandhinagar, alongside the G20 Health Ministers' meeting in August. This event will highlight the capabilities of the Indian medical devices sector under the G20 Indian Presidency.

The event will be organised by the government in association with the industry and would showcase the capabilities of the Indian medical devices industry and create opportunities to network and explore collaborations both for the sector's growth in India and its potential contribution globally.

The department of pharmaceuticals is planning to organise the large-scale first-time national level expo on medical devices sector for three days from August 18 to 20, 2023, at Helipad Exhibition Centre, Gandhinagar, Gujarat, according to a statement from the Ministry of Chemicals and Fertilisers.

The G20 Health Ministers' meeting is scheduled to be at Gandhinagar from August 17-19.

India MedTech Expo, rescheduled to be held in January 2023, received tremendous response from the medtech industry and plan for hosting the same in August 2023 in alignment with the G20 health ministers' meeting will give the much-needed boost to this sunrise sector, which the department of pharmaceuticals is supporting through various initiatives such as production-linked incentive (PLI) scheme and medical devices park scheme, etc.

The medical device industry is the highest among all the sectors in the healthcare market and presently, various categories of devices starting from consumables to implantable medical devices are being manufactured in India, according to the statement. With the support of PLI scheme, high-end medical devices such as CT Scan, MRI, LINAC, etc, are being manufactured domestically in the country.

75% of sugar mills finish operations 2 months earlier

NEW DELHI, (Agency). Nearly 75% of sugar mills in India, the world's largest producer of the commodity, have finished operations this month, two months earlier than they normally do, as the country's output of the sweetener is estimated to have fallen 6-9% to about 30-33 million tonnes in 2022-23, the first major decline in a decade due to weather disruptions.

Experts said the impact of tightening supplies could show up around October-November, the beginning of a long-drawn festival season when demand peaks. The country is the world's largest consumer of sugar.

Lower output could also hamper India's ambitious ethanol-blending programme under which the government is moving expeditiously to achieve a 20% target of blending petrol with ethanol.

Mixing of petrol with ethanol, which is made from molasses, a by-product of sugar, helps lessen the amount of oil India imports and supplement farmers' income. India is the third-largest oil consumer in the world after the US and China.

Households account for 33% of India's direct sugar consumption. The rest goes into commercial products, such as baked goods, soft drinks and other fast-moving edible goods.

India is such a large producer of many commodities that the impact of domestic output now ripples around global markets. In March, global white sugar prices hit their highest price levels in a decade, according to data from ICE Futures Europe.

The surge was mainly driven by lower global exports and

Bihar

बिहार में भीषण गर्मी से फिर टेढ़ी हुई पटरी, बड़ा हादसा टला; 3 घंटे तक थमे ट्रेनों के पहिए

गया, एजेंसी बिहार में एक बार फिर भीषण गर्मी से रेल की पटरी टेढ़ी हो गई है। गया जिले में गुरपा-गझण्डी घाटी रेलखंड पर स्थित नाथगंज रेलवे हॉल्ट के पास मंगलवार को अप लाइन में अधिक गर्मी के कारण 50 मीटर तक रेल पटरी पिघलकर काफी बुरी तरह से टेढ़ी हो गई। इसी समय वहां से हटिया-पटना सुपर एक्सप्रेस गुजरने वाली थी जिसे दिलवा स्टेशन पर ही रोक दिया गया। इस तरह रेलकर्मियों की सूझबूझ व तत्परता से एक बड़ी रेल हादसा होने से टल गया। पटरी टेढ़ी होने के चलते अप लाइन पर तीन घंटे तक ट्रेनों का परिचालन बाधित रहा।

रेल पटरी दुरुस्त होने के बाद ट्रेनों का परिचालन सुचारू हुआ। घटना स्थल के पास से डाउन लाइन की ट्रेनों को भी धीमी गति में परिचालन कराया गया। रेल सूत्रों ने बताया कि ड्यूटी पर तैनात रेलकर्मी रेल ट्रैक की जांच कर रहा था। वह जांच करते हुए नाथगंज रेलवे हॉल्ट के पास पहुंचा तो उसकी नजर टेढ़ी हुई रेल पटरी पर पड़ी। उसने तुरंत नाथगंज और दिलवा स्टेशन को इसकी सूचना दी। उसी समय हटिया से पूर्णिया कोर्ट जा रही 18626 अप हटिया-पटना-पूर्णिया कोर्ट एक्सप्रेस ट्रेन वहां से गुजरने वाली थी, जिसे दिलवा स्टेशन पर ही रोक दिया गया और एक बड़ा रेल हादसा होने से बच गया। रेल पटरी टेढ़ी होने की सूचना पर रेलवे अधिकारी मौके पर पहुंचे और उसे ठीक करने में जुट गए। रेलकर्मियों ने भीषण गर्मी और तीखी धूप के बीच पटरी को दुरुस्त किया। इस काम में करीब तीन घंटे का समय लगा। तब तक इस ट्रैप पर ट्रेनों का परिचालन बाधित रहा। इस दौरान हटिया-पटना-पूर्णिया कोर एक्सप्रेस के अलावा कई ट्रेनों के परिए थमे रहे।

New Delhi

दिल्ली पब्लिक स्कूल मथुरा रोड में बम होने की धमकी, जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली, एजेंसी राजधानी में दिल्ली पब्लिक स्कूल में बम होने की धमकी के बाद हंगामा मच गया. मथुरा रोड स्थित डीपीएस में बम की धमकी ई-मेल के जरिए भेजी गई थी, जिसके बाद मौके पर दिल्ली फायर सर्विस पहुंच गई है और स्कूल को खाली कराया जा रहा है.

इससे पहले 12 अप्रैल को दिल्ली में ही एक स्कूल में बम की धमकी मिली थी. ये धमकी भी ई-मेल के जरिए ही भेजी गई थी. डिफेंस कॉलोनी थाना क्षेत्र के इंडियन स्कूल में धमकी भरे ईमेल के बाद हंगामा मच गया था और आनन-फानन में पूरे स्कूल को खाली करा लिया गया था. बम निरोधक दस्ते की टीम भी मौके पर पहुंच गई थी और बम की जांच में जुट गई थी. दिल्ली पुलिस ने बताया था कि इस धमकी का मेल 10 बजकर 49 मिनट पर मिला था.

Uttarpradesh

आगरा में बड़ा हादसा

खेरागढ़ में मकान की छत गिरी, मलबे में दबने से दो बच्चों की मौत, महिला घायल

आगरा, एजेंसी उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में मंगलवार देर रात बड़ा हादसा हुआ है। खेरागढ़ कस्बा के नगला उदैया मार्ग स्थित सुभाष अग्रवाल के मकान की पट्टी (पत्थर) से बनी छत देर रात करीब 2:30 बजे अचानक गिर गई। छत गिरते ही चीख-पुकार मच गई।

हादसे में महिला सुरभि अग्रवाल पत्नी विष्णु अग्रवाल, उसका पुत्र आरुष (5), पुनीत (17) पुत्र ब्रजेश समेत तीन लोग मलबे में दबकर घायल हो गए। घटना के बाद आसपास के लोग जमा हो गए।

आनन-फानन सभी को मलबे से निकाला गया गया। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां आरुष और पुनीत की इलाज के दौरान मौत हो गई। बताया जा रहा है कि तीन लोग बाल-बाल बच गए। बच्चों की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है।

Chhattisgarh

छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने से 3 की मौत, IMD ने जारी किया आंधी पानी और वज्रपात का अलर्ट

रायपुर, एजेंसी छत्तीसगढ़ में मौसम का खतरनाक मिजाज देखने को मिल रहा है। रायपुर में शनिवार शाम होते ही अंधड़ के बाद कई इलाकों में बारिश हुई। मौसम विभाग ने सूबे के अधिकांश जिलों में आंधी पानी और वज्रपात की चेतावनी जारी की है। छत्तीसगढ़ के मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में आकाशीय बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई है जबकि दो अन्य घायल हो गए हैं। बेमेतरा समेत कई जिलों में तेज आंधी पानी की वजह से बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई। दुर्ग-भिलाई और रायपुर में भी मौसम खराब

हो गया है। सूबे में कुछ जगहों पर ओलावृष्टि भी हुई है। समाचार एजेंसी पीटीआई भाषा की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि कोरबा जिले के जनकपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत रामगढ़ गांव निवासी शिवचरण (55) आज दोपहर अपने बेटे अजीत कुमार और भांजे संतोष कुमार के साथ घर बना रहे थे। इस दौरान आकाशीय बिजली गिरी जिसकी चपेट में शिवचरण भी आ गए। वज्रपात के कारण शिवचरण की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना में शिवचरण का बेटा और भांजा गंभीर रूप से घायल हो गए जिनको जनकपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यही नहीं सूबे के नागपुर पुलिस चौकी के अंतर्गत सोनबरसा गांव के जंगल में वज्रपात की एक अन्य घटना में दो लोगों की मौत हो गई।

खेल

गुजरात ने मुंबई को 55 रनों से हराया

इस सीजन 10 अंक हासिल करने वाली दूसरी टीम बनी

अहमदाबाद, (एजेंसी) आईपीएल 2023 अपना आधा पड़ाव पार कर चुका है। सभी टीमें सात मैच खेल चुकी हैं। चेन्नई और गुजरात के पास 10 अंक हैं, वहीं चार टीमों के पास आठ अंक हैं। एक टीम छह और तीन टीमें चार अंक हासिल कर चुकी हैं। गुजरात टाइटंस ने अपने सातवें मैच में मुंबई इंडियंस को 55 रन से हराया और इस सीजन 10 अंक हासिल करने वाली दूसरी टीम बनी। इसके साथ ही गुजरात ने अंक तालिका में चेन्नई की बराबरी करते हुए प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी और मजबूत कर ली है। अंक तालिका में गुजरात और चेन्नई के समान 10 अंक हैं, लेकिन बेहतर रन रेट के आधार पर चेन्नई की टीम शीर्ष पर मौजूद है। गुजरात टाइटंस ने सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल (56 रन), नूर अहमद (3/37) और राशिद खान (2/27) के शानदार प्रदर्शन की मदद से पांच बार की चैंपियन टीम मुंबई इंडियंस को 55 रनों से हराया।

गिल ने किया कमाल

गिल के अर्धशतक के बाद मध्य एवं निचले क्रम के बल्लबाजों के बड़े शॉटों की मदद से गुजरात टाइटंस ने छह विकेट पर 207 रन बनाए। डेविड मिलर ने 22 गेंदों में 46 रन बनाए। राहुल तेवतिया ने पांच गेंदों पर नाबाद 20 और अभिनव

मनोहर ने 21 गेंदों पर न केवल उपयोगी 42 रन बनाए बल्कि पांचवें विकेट के लिए मिलर के साथ 71 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी भी की।

जवाब में गुजरात ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए मुंबई को 20 ओवर में नौ विकेट पर 152 रन ही बनाने दिए। नूर और राशिद के अलावा मोहित शर्मा (2/38) और हार्दिक पंड्या (1/10) ने भी विकेट चटकाए। मुंबई के बल्लेबाजों ने खराब प्रदर्शन किया और कप्तान रोहित शर्मा दो रन पर ही आउट हो गए। हालांकि ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन ने 26 गेंदों में 33 रन बनाकर टीम को शुरुआती झटके से बाहर निकाला। उन्होंने तीन छक्के लगाए। लेकिन उनके आउट होने के बाद सूर्यकुमार यादव (23) और टिम डेविड (00) भी चलते बने और टीम का स्कोर पांच विकेट पर 59 रन हो गया।

निहाल नहीं दिला पाए जीत

निहाल जब खेल रहे थे तो उन्होंने टीम की जीत की छोटी सी उम्मीद जगाई हुई थी। वह आक्रामक अंदाज में खेल रहे थे। उन्होंने पीयूष चावला के साथ 24 गेंदों में 45 रनों की साझेदारी की। हालांकि पीयूष रन आउट हो गए और फिर मोहित शर्मा ने निहाल को शमी के हाथों कैच आउट कराकर मेहमान टीम की जीत की उम्मीद भी तोड़ दी। निहाल ने 21 गेंदों में 40 रन बनाए और तीन चौके व इतने ही छक्के जड़े। दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन ने 9 गेंदों में 13 रन बनाए जिसमें एक छक्का शामिल है। इससे पहले मुंबई के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतने के बाद पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। युवा तेज गेंदबाज अर्जुन तेंदुलकर ने पहले ओवर में सिर्फ चार रन दिए। गिल ने बेहरनडोर्फ की गेंद पर पारी का पहला चौका मारा। मुंबई को पहला विकेट जल्द मिल गया था जब तीसरे ओवर में अर्जुन ने ऋद्धिमान साहा (04) को विकेट के पीछे कैच करा दिया।

सिनेमा

प्रेग्नेंट पत्नी से हुई बहस तो डराने के लिए किया था कन्नड़ एक्टर संपत जे राम ने आत्महत्या का प्रैंक, हुई मौत

22 अप्रैल को कन्नड़ अभिनेता संपत जे राम के निधन की खबर से हर कोई हैरान रह गया था। संपत जे राम का शव कर्नाटक के नेलमंगला स्थित उनके घर पर फांसी के फंदे से लटका हुआ मिला था। जिससे कहा जा रहा था कि उन्होंने सुसाइड किया है लेकिन इस बीच इस संपत जे राम के करीबी दोस्त व अभिनेता राजेश ध्रुव ने एक बड़ा खुलासा किया है। राजेश का कहना है कि प्रैंक के चलते संपत की मौत हो गई। अभिनेता राजेश ध्रुव ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में राजेश ध्रुव कह रहे हैं कि कपल (संपत जे राम और उनकी पत्नी) के बीच रात में थोड़ी मामूली बहस हुई थी, जिसके बाद संपत ने खुद को फांसी पे लटकाने का प्रैंक किया, ताकि वो अपनी पत्नी को डरा सकें। लेकिन दुर्भाग्यवश इस दौरान उनकी जान चली गई। वहीं राजेश ने ये भी कहा है कि संपत को लेकर सोशल मीडिया यूजर्स किसी भी तरह की अफवाह न फैलाएं। वहीं पुलिस इस केस की जांच में जुटी है। संपत जे राम ने राजेश ध्रुव के साथ टीवी सीरियल अग्निसाक्षी से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके अलावा दोनों सितारे फिल्म श्री बालाजी फोटो स्टूडियो में साथ काम कर चुके हैं। याद दिला दें कि संपत के निधन पर कहा जा रहा था कि वो डिप्रेशन में थे और उसकी वजह से उन्होंने ऐसा कदम उठाया।

तीन मंजिला गोदाम में लगी आग, धमाके के साथ फूटे पेंट के ड्रम

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। छोटी ग्वालटोली इलाके में मंगलवार रात आग लगने की बड़ी घटना हुई। आग कलर पेंट के गोदाम में लगी थी। केमिकल और पेंट होने से आग भड़कते हुए चली गई और धमाकों की आवाज आने लगी। आग पर काबू पाने के लिए दमकलकर्मियों को मशक्कत करना पड़ गई। बुधवार तड़के मुश्किल से आग पर काबू पाया गया। प्रारंभिक रूप से आग शार्ट सर्किट से लगाना बताई जा रही है।

घटना छोटी ग्वालटोली थाना क्षेत्र के मधुमिलन टाकिज के समीप की है। लोगों ने देखा की कलर पेंट के गोदाम से धुआं निकल रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस और फायरकर्मी पहुंच गए। देखते ही देखते आग ने तीन मंजिला गोदाम को चपेट में ले लिया। आग की लपटें बाहर तक आने लगी। जगह की कमी होने के कारण आग बुझाने में मुश्किलें भी आई। बुधवार सुबह तक आग बुझाने का काम चलता रहा। विधायक आकाश विजयवर्गीय भी मौके पर पहुंचे। पानी से आसानी पहुंचाया जा सके इसके लिए पौकलेन मशीन की व्यवस्था करवाई।

गार्ड को पीटा और एटीएम तोड़ा

इंदौर। लसूडिय़ा थाना क्षेत्र में दो बदमाशों ने एटीएम के गार्ड के साथ मारपीट कर दी। आरोपित बगैर कार्ड के रुपये निकालने की जीद कर रहे थे। गार्ड ने मना किया तो मशीन में भी तोडफ़ोड़ कर दी। पुलिस के मुताबिक घटना तलावली चांदा स्थित एबी रोड़ पर एसबीआइ के एटीएम की है। कैलाश कुटी तलावली चांदा निवासी राजेश पुत्र नाथुलाल मालवीय ड्यूटी पर था। आरोपित विवेक पुत्र राजेश कौशल निवासी तलावली चांदा और अभिषेक पुत्र कमल मालवीय निवासी तलावली चांदा आए और कहा मशीन से रुपये निकालों। आरोपितों ने बगैर कार्ड के रुपये निकालने के लिए कहा। गार्ड ने रोका तो उसके साथ बेल्ट व पत्थरों से मारपीट की और मशीन में भी तोडफ़ोड़ कर दी।

कंजर गिरोह से सस्ते दामों में खरीदते

● नकली बिलों के साथ ऑनलाइन भी सौदेबाजी, आरोपी पकड़ाए

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। विजयनगर पुलिस ने लोगों को कम दाम में चोरी के लैपटॉप बेचने वाले गिरोह को पकड़ा है। पुलिस की पकड़ में फिलहाल चार ही बदमाश पकड़ में आए हैं, लेकिन इन्होंने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। ये बदमाश ग्राहकों को पेटी पैक लैपटॉप लगभग आधी कीमत में दे देते थे। इतना ही नहीं ये लैपटॉप शॉपिंग पोर्टल पर ऑनलाइन भी बेच देते थे। इसके लिए फर्जी बिल भी उपलब्ध करा देते थे। पुलिस इस नेटवर्क की धरपकड़ में जुटी है। पिछले दिनों क्राइम ब्रांच भी इसी तरह के गिरोह को पकड़ चुकी है। ये गिरोह भी चोरी के इलेक्ट्रानिक आयटम सस्ते दामों में बेचता था।

टीआई रवीन्द्र सिंह गुर्जर के मुताबिक इन बदमाशों के पास से 65 लैपटॉप बरामद हुए हैं। ये सभी एचपी कंपनी के हैं। ये लैपटॉप इन्हें कंजर गिरोह के बदमाश विनोद ने उपलब्ध कराए थे। बदमाशों के नाम आसिफ पुत्र कल्लू खान निवासी सिकराबाद कॉलोनी, जावेद पुत्र मकसूद अली निवासी देवास, गुलाम मोहम्मद पुत्र अब्दुल रज्जाक निवासी श्रीनगर एक्सटेंशन कांकड और रिफाकत पुत्र अब्दुल रज्जाक हैं। पुलिस ने इन्हें शहीद पार्क अंबिका नगर के पास से को पकड़ा है। प्रारंभिक पूछताछ में बदमाशों ने बताया कि हम विनोद के सामने डिमांड रख देते थे। इसके बाद विनोद हमें ट्रक कटिंग कर लैपटॉप आदि उपलब्ध कराता था। हमारे पास ये डिमांड बाजार के अलग-अलग दुकानदारों और सीधे कस्टमर और दुकानदारों से आती थी। बदमाशों ने बताया कि वे विनोद और उसका गिरोह आगर मालवा इलाके में सक्रिय है। विनोद और उसके गिरोह का ट्रक कटिंग ही करते हैं। ये गिरोह लैपटॉप सहित अन्य कीमती सामानों को लूटता है। आरोपियों ने कबूला कि वह इंदौर में इसे सस्ते दामों पर बेचते थे। आरोपियों ने बताया कि वह विनोद से लैपटॉप व अन्य सामान लेकर ऑनलाईन भी बेच देते थे। इसके लिए वे कंपनी के फर्जी बिलों का उपयोग भी करते थे। पुलिस ऑनलाइन बेचने वाले नेटवर्क का भी पता लगा रही है। साथ ही ये भी पता लगा रही है कि ये फर्जी बिल कैसे बनाते थे।

युवक ने लगाई फांसी, 25 दिन पहले ही किया था प्रेम विवाह

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदैर। एरोड्रम इलाके में रहने वाले एक युवक ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। बताया जाता है कि 25 दिन पहले ही उसने लव मैरिज की थी। पति-पत्नी में दो दिन पहले किसी अन्य लड़की से बात करने की शंका में कहासुनी हुई थी। जिसके बाद मंगलवार रात फिर मोबाइल पर कहासुनी हुई। इसके चलते पोशाक व्यापारी के बेटे ने घर आकर जान दे दी।

पुलिस के मुताबिक केशव नगर निवासी अमित (22) पिता प्रदीप वर्मा को मृत अवस्था में उसके परिवार के लोग मंगलवार रात एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे थे। अमित ने अपने घर में फांसी लगा ली थी। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम किया है। परिजनों ने बताया कि अमित और उनकी बेटी टीना की 30 मार्च को ही शादी हुई थी। दोनों परिवार एक ही कॉलोनी में रहते हैं। लड़का-लड़की के बीच प्रेम संबंध थे। इसके चलते दोनों परिवारों ने आपसी सहमति से शादी करवा दी थी। दो दिन पहले अमित से पत्नी टीना ने किसी अन्य लड़की से मोबाइल पर बात करने को लेकर विवाद किया था। इस मामले में दोनों को समझाइश भी दी थी। अमित का कहना था कि ऐसा कुछ नही है। लेकिन टीना इस बात से नाराज थी।

रात में अमित से पत्नी टीना की मोबाइल पर फिर से बात हुई थी। इसके बाद टीना घर से कहीं चली गई। अमित इस समय दुकान पर बैठा था। वह दुकान से उठकर घर चला गया। पिता प्रदीप ने अमित की सास शीला को कॉल किया और कहा कि अमित नाराज होकर घर गया है। उसे समझाएं जब शीला कमरे पर पहुंची तो अमित ने अंदर से दरवाजा बंद किया हुआ था। पहले उन्होंने दरवाजा बजाया तो अमित ने कहा कि उसे आराम करना है। इसके कुछ देर बाद उसने फांसी लगा ली। बाद में परिवार के लोगों ने दरवाजा तोड़कर उसे बाहर निकाला। फिलहाल पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है।

युवक का मोबाइल ले भागे

इंदौर। एक युवक का मोबाइल आरोपी छिनकर ले गए। अजय राय पिता विजय राय निवासी खजराना की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। उन्होंने पुलिस को बताया कि बंगाली चौराहा के पास वह मोबाइल फोन पर बात कर रहा था। इसी दौरान दो अज्ञात लडके मोटर साइकिल पर आए। उसे धक्का दे दिया। इससे उसका संतुलन बिगड़ा और नीचे गिर गया। इसी का फायदा उठाकर आरोपी उसका मोबाइल कीमत 90 हजार रुपए का छीनकर भाग गए। इसी प्रकार एक अन्य लूट बाणगंगा में हुई है। यहां पर आरोपियों ने रेलवे कर्मचारी को लूट लिया है। टीकाराम पिता जयराम नौटियाल निवासी रेलवे क्वार्टर की शिकायत पर प्रिंस पिता मोतीलाल सोनी निवासी न्यू गौरी नगर और उसके साथी के खिलाफ केस दर्ज किया है। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह पर जा रहे थे। इसी दौरान रेलवे पटरी पर तीन आरोपी आए। उन्हें पीछे से पकड़ लिया। इसके बाद जेब में रखा मोबाइल और रुपए छीन लिए। उन्हें लूटने का बाद आरोपी वहां से भागने लगे। इस पर पीछा कर राहगीरों की मदद से एक आरोपी को पकड़ लिया।

युवक को मारपीट कर लूटा, महिला के गले से चेन उड़ाई

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट **इंदौर**। एक युवक को बदमाशों ने मारपीट कर लूट लिया। वहीं एक महिला के गले से बदमाश चेन छिनकर भाग निकले। शानू निवासी धीरज नगर को कल रात उसका साथी एमवायएच लाया था। वहां पर उन्होंने बताया कि वह मालवा मिल चौराहे से पाटनीपुरा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान आरोपियों ने रोक लिया। उनके साथ मारपीट की और रुपए छीन लिए। इस मामले में टीआइ पंकज द्विवेदी ने बताया कि कोई भी फरियादी लूट के मामले में पुलिस के पास नहीं आया है। उधर, मानपुर में एक महिला के गले से सोने की चेन उड़ा दी। प्रतिमा जोसेफ निवासी एयरपोर्ट कॉलोनी की शिकायत पर अज्ञात महिला के खिलाफ केस दर्ज किया है। उन्होंने पुलिस को बताया कि मानपुर में अनाज मंडी गई थी। महिला उसके पास आकर खड़ी हो गई। आरोपी ने साड़ी का पल्लू और स्कार्फ उसके कंधे पर डाला। इसके बाद उनकी आंखों में जलन होने लगी। कुछ समय बाद वह संभली तो गले में पहनी हुई सोने की चेन और लॉकेट गायब थे। महिला आंखों में कुछ डालकर चेन लेकर भाग गई।

sponcership

Detective Group Report
SUBSCRIBE

दैनिक समाचार पत्र/न्यूज़ पोर्टल/न्यूज़ चैंनल
Daily Newspaper
www.dgr.co.in
Worldwide News portal
www.detectivegroupreport.com
Worldwide Youtube channel
https://youtube.com/c/DETECTIVEGROUPREPORT

समाचार, विज्ञापन और समूह से जुड़ने के लिए संपर्क करें
+91 91110 30505
Email-: dgrnewsnetwork@gmail.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं 406- इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
◆ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ◆*संपादक - पुष्पेंद्र पुष्प, ◆ प्रबंध संपादक - महेन्द्र आर.पालीवाल, ◆ समूह PRO - एल.एन. उग्र ◆ फोन : 0731-2433676, मो.नं. 91111-56060 Website : www.dgr.co.in *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।